बोर्ड कृतिपत्रिका : मार्च 2017

समय: तीन घंटे **कुल अंक: 80**

विभाग 1 – गद्य

20 अंक

कृ.1.(क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[8]**

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **(2)**

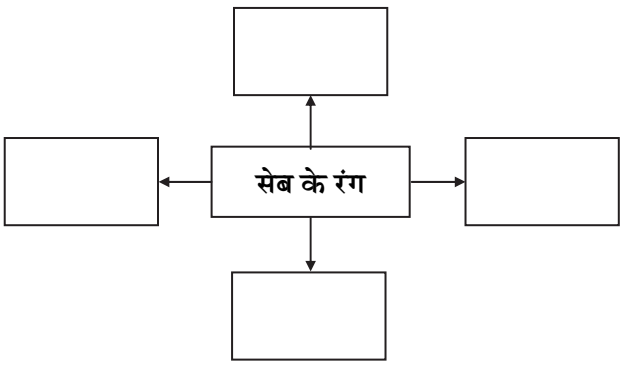

हिमालय की बर्फीली चोटियों की छाँव में फूल, फल, झरने और बँगलों वाले कूर्मांचल का नाम लेते ही मेरी आँखों के आगे रामगढ़ की एक शाम धुँधली तसवीर की तरह खिंच जाती है। एक बहुत ऊँची, वनाच्छादित पर्वतश्रृंखला के इस बाजू में मीलों लंबा एक फूलों का बगीचा है। सुनहले, हरे, पीले, सिंदूरी और गुलाबी सेबों से लदे हुए पेड़ों की क़तारें पार कर हम उस बँगले में जा पहुँचे हैं जिसमें महाकवि रवींद्रनाथ ठाकुर ने अपने कूर्मांचलप्रवास में कुछ दिन बिताए थे। बस की सड़क सैकड़ों फीट नीचे मटियाले साँप की तरह घाटियों और जंगलों में रेंगती-सरकती चली जा रही है, सड़क के भी सैकड़ों फ़ीट नीचे तल्ली रामगढ़ के घरों की टीन वाली छतें दीख रही हैं और चलते-फिरते लोग उनमें चींटियों की तरह लग रहे हैं, उधर समरफोर्ड के पहाड़ पर एक सफेद बादल उड़ता हुआ आकर टिक गया है और धीरे-धीरे धनुषाकार होता हुआ जा रहा है। बँगले के सामने के लान में बेंत की खूबसूरत हरी कुरसियाँ डाल दी गई हैं और बगीचे के मैनेजर ने चाय बनवाकर मँगाई है।

(2) i. घटनानुसार उचित क्रम लगाकर वाक्य फिर से लिखिए: **(1)**

1. लान में बेंत की खूबसूरत हरी कुरसियाँ डाल दी गईं।
2. एक सफेद बादल उड़ता हुआ आकर टिक गया है।
3. चलते-फिरते लोग चींटियों की तरह लग रहे हैं।
4. मैनेजर ने चाय बनवाकर मँगाई है।

ii. उत्तर लिखिए: **(1)**

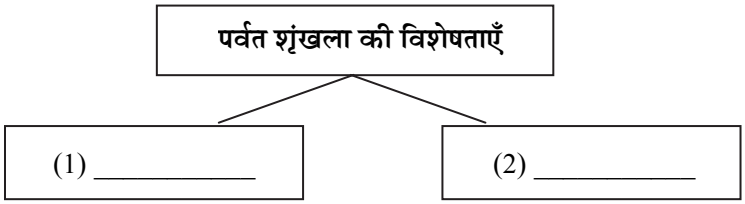

(3) i. शब्दों के वचन बदलकर लिखिए: **(1)**

1. चींटियाँ ☐
2. सड़क ☐

ii. परिच्छेद में आए शब्दयुग्म लिखिए: **(1)**

1. _____
2. _____

(4) अपने देखे हुए किसी प्राकृतिक दृश्य को लगभग 8 से 10 वाक्यों में लिखिए। **(2)**

(ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[8]**

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **(2)**

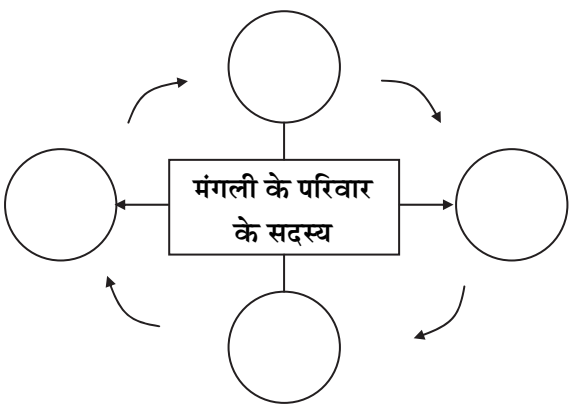

मंगली घर पहुँची और छोटे बेटे को बेतहाशा चूमने लगी। दो साल का होगा। उसे छह साल की बेटी सँभालती है। दस साल का बड़ा बेटा पिछले दिनों से होटल के एक ठेले पर काम करता है। पानी और चाय पहुँचाता है वह। वह अभी तक घर नहीं लौटा था। पहाड़ की तराई पर बसी यह झोपड़पट्टी बहुत घनी थी। उसने झट टीन का दरवाजा खींच लिया और ढिबरी जलाकर दोनों बच्चों को दुलारने लगी। थैली खोली तो उसमें काफी खाना था, परंतु इतना भी नहीं था कि पाँचों के लिए पूरा पड़े। फिर भी उसने थोड़ी मिठाईनुमा चीजें निकालकर अलग रख दीं, अपने आदमी और बड़े बेटे के लिए। कुछ पुलाव और रोटी-साग दोनों बच्चों को परोसा। ऐसी रोटी की गंध बच्चों को पहली बार करीब से मिल रही थी। उसे तो फिर भी कभी-कभी कुछ मिल जाता था होटल में, पर चीजें खराब हो जाने पर ही उस तक पहुँच पातीं।

(2) i. निम्नलिखित विधानों के सामने सही या गलत लिखिए: (1)

1. छोटा बेटा होटल के एक ठेले पर पानी और चाय पहुँचाता है। ☐

2. मंगली ने पुलाव और रोटी-साग दोनों बच्चों को परोसा। ☐

ii. उपर्युक्त गद्यांश से दो ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों: (1)

1. थैली : _____

2. मिठाईनुमा: _____

(3) i. परिच्छेद में प्रयुक्त अंकों में से किसी एक अंक पर प्रचलित मुहावरा लिखिए। (1)

ii. मानक वर्तनी के अनुसार शब्द लिखिए: (1)

1. परन्तु → ☐

2. ईतना → ☐

(4) 'समाज में स्थित गरीबी' दूर कराने के उपायों को लगभग 8 से 10 पंक्तियों में लिखिए: (2)

(ग) 1. परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [4]

i. उत्तर लिखिए: (1)

ऋषि-मुनियों की नज़र में चोर की परिभाषा।

ii. उचित विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए:

महात्मा गांधी का समस्त जीवनदर्शन ..... था।

(अर्थ-सापेक्ष / श्रम-सापेक्ष / कर्म-सापेक्ष)

2. आकृति पूर्ण कीजिए: (1)

☐ ← **बापू की नीतियों की उपेक्षा करने का परिणाम** → ☐

महात्मा गांधी अपना काम अपने हाथ से करने पर बल देते थे। वे प्रत्येक आश्रमवासी से आशा करते थे कि वह अपने शरीर से संबंधित प्रत्येक कार्य, सफाई तक स्वयं करेगा। उनका कहना था कि जो श्रम नहीं करता है, वह पाप करता है और पाप का अन्न खाता है। ऋषि-मुनियों ने कहा है - बिना श्रम किए जो भोजन करता है, वह वस्तुत: चोर है। महात्मा गांधी का समस्त जीवनदर्शन श्रम-सापेक्ष था। उनका समस्त अर्थशास्त्र यही बताता है कि प्रत्येक उपभोक्ता को उत्पादनकर्ता होना चाहिए। उनकी नीतियों की उपेक्षा करने के परिणाम हम आज भी भोग रहे हैं। न गरीबी कम होने में आती है, न बेरोजगारी पर नियंत्रण हो रहा है और न अपराधों की वृद्धि हमारे वश की बात हो रही है।

3. 'मनुष्य के जीवन में श्रम का महत्त्व' विषय पर अपने विचार 8 से 10 पंक्तियों में लिखिए। (2)

विभाग 2 – पद्य

16 अंक

2. (च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [8]

(1) i. उत्तर लिखिए: (1)

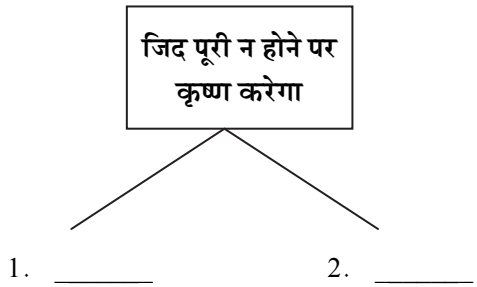

ii. पद्यांश में प्रयुक्त शरीर के दो अंगों के नाम: (1)

1. _____ 2. _____

मैया मैं तो चंद खिलौना लैहौं।
धौरी को पय पान न करिहौं, बेनी सिर न गुथैहौं।
मोतिन माल न धरिहौं उर पर झंगुली कंठ न लैहौं।
जैहौ लोट अभी धरनी पर तेरी गोद न ऐहौं।
लाल कहैहौं नंद बाबा को तेरो सुत न कहैहौं।
कान लाय कछु कहत जसोदा दाउहिं नाहिं सुनैहौं।
चंदा हूँ ते अति सुंदर तुझे नवल दुल्हैया ब्यैहौं।
तेरी सौंह मेरी सुन मैया हौं अब ही ब्याहन जैहौं।
सूरदास सब सखा बराती नूतन मंगल गैहौं।

(2) i. संबंध पहचानकर कृति पूर्ण कीजिए: (1)

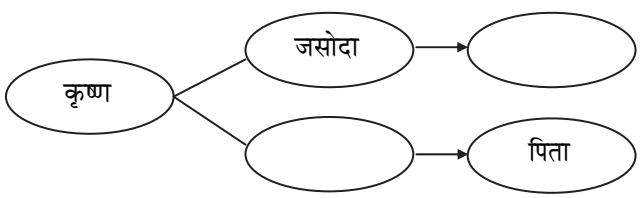

ii. सही शब्द चुनकर वाक्य फिर से लिखिए: (1)

1. जसोदा कृष्ण को दुल्हा / दुल्हन लाने की बात करती है।
2. श्रीकृष्ण नंद बाबा के लाल / लाली कहलाएँगे।

(3) i. शब्दों के लिंग पहचानिए: (1)

1. गोद _____
2. सुत _____

ii. क्रियाओं के सरल हिंदी में अर्थ लिखिए: **(1)**

1. न करिहौं ☐
2. न ऐहौं ☐

(4) उपर्युक्त पद्यांश की पहली चार पंक्तियों का सरल हिंदी में भावार्थ लिखिए: **(2)**

(छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[8]**

(1) उत्तर लिखिए: **(1)**

i. देश की बालकों से माँग

1. _____
2. _____

ii. कृति पूर्ण कीजिए: **(1)**

जय, विजय लिखने के स्थान -

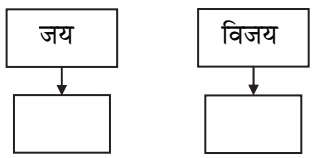

देश माँगता कि खून से रंगा गुलाब दो,
तुम उठो सिपाहियो! शत्रु को जवाब दो,
झूम-झूमकर मलो युद्ध के गुलाल को
शूरवीर बालको!
थाम लो सँभालकर देश की मशाल को!
दूर तक जमीन पर शानदार जय लिखो,
तुम विशाल सिंधु पर खून से विजय लिखो,
तोड़ दो पिशाच के हरेक जाल को।

(2) सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए: **(2)**

i. कवि ने बालकों को थामने के लिए कहा है _____
(देश की ज्वाला को / देश की ज्योत को / देश की मशाल को)

ii. अब पिशाच के जाल को तोड़ने की जिम्मेदारी _____
(शूरवीर बालकों की है / युवकों की है / कवि की है)

(3) i. पद्यांश में प्रयुक्त विरुद्ध अर्थ के शब्द लिखिए: **(1)**

1. आसमान × _____
2. लघु × _____

ii. पद्यांश में आए विरामचिह्नों के नाम लिखिए: **(1)**

1. _____
2. _____

(4) उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। **(2)**

विभाग 3 – पूरक पठन

4 अंक

3. (1) संजाल पूर्ण कीजिए : **(2)**

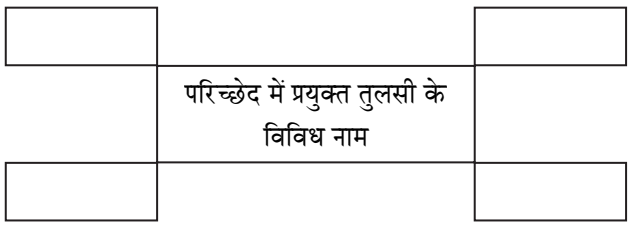

हिंदुस्तान में तुलसीदास भी प्रसिद्ध हैं और तुलसी का बिरवा भी, बल्की अगर यों कहें कि यहाँ जनजीवन में तुलसी का पौधा बहुत महत्त्वपूर्ण है तो अत्युक्ति न होगी। अधिकांश हिंदू घरों में तुलसी का पौधा पाया जाता है, जिसकी कि स्त्रियाँ पूजा करती हैं। ग्रामीण या आम भाषा में लोग इसे तुलसा भी कहते हैं। इसी तुलसी के संबंध में विशेष बात यह है कि हिंदू धर्म में ही नहीं, ईसाई धर्म में भी इसे बहुत पवित्र माना गया है। अंग्रेजी में इसे 'बेसिल' या 'सेक्रेड बेसिल' यानी पवित्र तुलसी कहते हैं। और इसीलिए पवित्रता का बोध कराने के लिए अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक नामकरण में जो कि लैटिन भाषा में होता है, इसे 'ओसिमम सैक्टम' कहा गया है। अंग्रेजी का बेसिल शब्द ग्रीक भाषा के 'बसिलिकोन' शब्द से व्युत्पन्न हुआ है जिसका अर्थ है राजसी।

(2) 'वन औषधि का महत्त्व' पर अपने विचार लिखिए। **(2)**

विभाग 4 – व्याकरण

10 अंक

4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[10]**

(1) i. शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए: **(½)**
सुसज्जित

ii. अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए: **(½)**
यह क्या गोल-माल है?

(2) वाक्य शुद्ध करके लिखिए: **(1)**
आपका चिंता किस बात का है।

(3) सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए: **(1)**
वाणी से मित्रता भी की जाती है।

(4) प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए: **(1)**
भूलना।

(5) i. अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए: **(1)**
एकाएक।

ii. अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए: **(1)**
उफ्! कितनी संपन्न है यह दुनिया।

(6) काल परिवर्तन कीजिए: **(2)**
विनायक बाबू कुर्सी पर बैठ जाते हैं।
पूर्ण भूतकाल - _____
सामान्य भविष्यकाल - _____

(7) i. मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: (1)

मन न लगना।

ii. अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए: (1)

(सिर झुकाए बैठना / पैर पकड़ना)

रोजी ने अपनी गलती होने पर पिताजी से क्षमा याचना की।

विभाग 5 – रचना विभाग

30 अंक

सूचना: आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है:

5. (1) निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए: (5)

'अवंतिका स्पोर्ट्स अॅकडमी', पंचवटी, नाशिक द्वारा आयोजित राज्य बॅडमिंटन प्रतियोगिता में सम्मिलित होने हेतु दिलीप/दीपा कुलकर्णी, शिवाजी रोड, पुणे-400005 से व्यवस्थापक के नाम नाम पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

सुमन/सुमंत राजे, प्रभात रोड, औरंगाबाद से मा. व्यवस्थापक, अजब बुक डिपो, नाशिक को पत्र लिखकर शालोपयोगी साहित्य की माँग करते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

(2) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर उचित शीर्षक दीजिए: (5)

शेखर एक छोटा लड़का — माँ के साथ झोंपड़ी में रहना — बरसात के दिन — आँधी और तूफान आना — रेल की पटरी उखड़ जाना — शेखर की नजर में आना — रेलगाड़ी आने का समय होना — लाल कमीज पकड़कर पटरी पर खड़ा रहना — रेल रुकना — यात्रियों द्वारा भला-बुरा कहना — ड्रायव्हर का देखना — शेखर के कारण यात्रियों की जान बचना — राष्ट्रपति द्वारा स्वर्ण पदक।

(3) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक वाक्य में हों: (5)

ऐसा माना जाता है कि संगीत का प्रभाव औषधियों से कम नहीं है। एक शल्य-क्रिया के बाद किसी मरीज ने संगीत के चमत्कार का वर्णन किया। उसने बताया कि स्वास्थ्य लाभ करते समय, उसने संगीत खूब सुना। वह कभी-कभी इसमें इतना खो जाता था कि वह अपनी दर्द निवारक गोलियाँ लेना भूल जाता था। संगीत शांतिदायक तथा मधुर होना चाहिए। कई बच्चे जन्म से ही बात नहीं कर सकते अथवा ज्यादा हिल-डुल नहीं सकते। संगीत का इतना बड़ा प्रभाव है कि ये लोग बोलने लगे तथा संगीत की ताल पर उनके हाथ-पैर का हिलना-डोलना शुरू हुआ। इस तनावपूर्ण दुनिया में संगीत के प्रभाव को नकार नहीं सकते।

6. (1) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 60 से 80 शब्दों में प्रसंग लेखन कीजिए: (5)

मै एक दिन घूमते हुए नदी किनारे चला गया। वहाँ मैंने देखा कि कल-कारखानों से दूषित पानी छोड़ा जा रहा था, महिलाएँ कपड़े धो रही थीं, लोग गाड़ियाँ धो रहे थे, यह नदी की अवस्था मुझे दिखाई दी। .....

(2) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर लगभग 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए : (5)

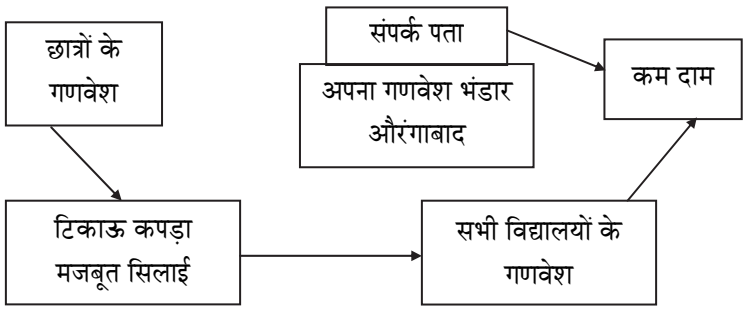

(3) किसी एक विषय पर निबंध लिखिए (लगभग 80 से 100 शब्दों में): (5)

i. किसान की आत्मकथा

ii. मनोरंजन के आधुनिक साधन।